द्वितीयः पाठः

वृक्षारोपणस्य महत्त्वम्

सामयिकम्, आवृत्तिः - (लट्, लङ्) लकार
संज्ञापदानि- अकारान्त (पुँ., नपुं.)

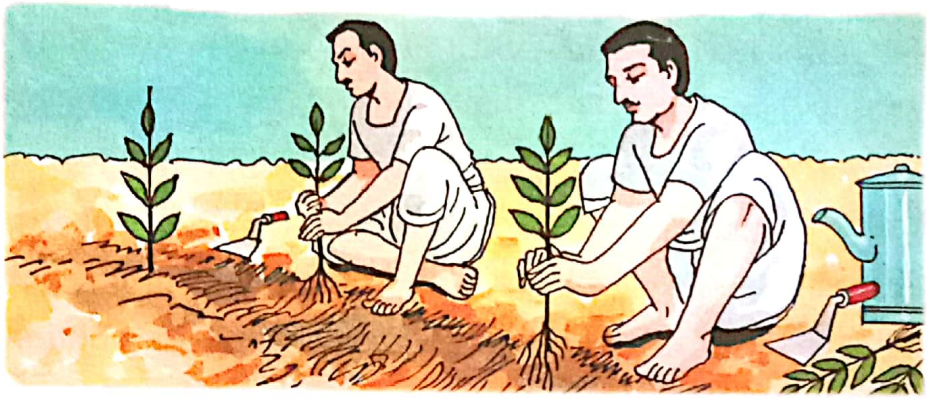

वत्साः! वृक्षाः केवलं सौन्दर्याय न सन्ति, अपितु वृक्षैः तत्रत्या मृत्तिका अपि सुरक्षिता भवति। वृक्षाणाम् अभावे मरुभूमिप्रसारः सम्भवति। अतः वृक्षाणां रक्षा आवश्यकी। अपि च जलानां वर्षणे, परिवेशस्य शुद्धीकरणे, फलदानेन छायादानेन च अस्माकं पोषणे वृक्षाणां महती उपादेयता।

केचिद् अज्ञानवशात् केचिच्च स्वार्थपूर्तये तान् छिन्दन्ति। ते न जानन्ति वृक्षच्छेदे जीवहत्या भवति। महाभारते एका कथा वर्तते। एकदा इन्द्रः एकं वृक्षम् अच्छिनत्। तेन सः जीववधस्य पापेन युक्तः अभवत्।

किं यूयं न जानीथ, श्रीजगदीशचन्द्रवसुनामकः विख्यातः वैज्ञानिकः वृक्षेषु अपि जीवसत्ता अस्ति इति अवर्णयत्।

मत्स्यपुराणे लिखितमस्ति-

दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रदः।
दशह्रदसमः पुत्रः दशपुत्रसमो द्रुमः॥

दशकूपानां निर्माणे यत् पुण्यं तत् एकस्याः वाप्याः निर्माणेन, दशवापी-खननसमं पुण्यं एकस्य ह्रदस्य निर्माणेन भवति। दशह्रदानां निर्माणेन यत् पुण्यं तदेकस्य पुत्रस्य उत्पादनेन, दशपुत्राणाम् उत्पादनेन यत् महत्त्वं तत् एकस्य वृक्षस्य रोपणेन भवति।

अतः यूयम् अपि स्वगृहे एकैकं वृक्षारोपणं करिष्यथ तेषां संरक्षणं च करिष्यथ।

Scanned by CamScanner

वृक्षारोपणस्य महत्त्वम्

शब्दार्थाः (Word-Meaning)

वत्साः!= हे बच्चो! (o boys!)। **वृक्षाः**= वृक्ष (बहुव.) (trees)। **केवलम्**= केवल (only)। **सौन्दर्याय**= सुन्दरता के लिए (for beauty)। **मृत्तिका**= मिट्टी (soil)। **सुरक्षिता**= सुरक्षित (protected)। **अभावे**= अभाव में (in scarcity)। **मरुभूमिप्रसारः**= मरुभूमि का प्रसार (expansion of desert)। **आवश्यकी**= आवश्यक (necessary)। **जलानाम्**= जल की (of water)। **वर्षणे**= वर्षा में (in rain)। **परिवेशस्य**= वातावरण का (of atmosphere)। **शुद्धीकरणे**= शुद्ध करने में (in the cleaning)। **फलदानेन** =फल देने के द्वारा (by giving fruits)। **छायादानेन**= छाया देने के द्वारा (by giving shadow)। **पोषणे**= पोषण में (in nourishing)। **उपादेयता**= योगदान (contribution)। **केचिद्**= कुछ (some)। **अज्ञानवशात्**= अज्ञानता से (by ignorance)। **स्वार्थपूर्तये**= स्वार्थपूर्ति के लिए (for self interest)। **छिन्दन्ति**= काटते हैं (cut)। **ते**= वे (they)। **जानन्ति**= जानते हैं (know)। **जीवहत्या**= जीव हत्या (killing of living)। **महाभारते**= महाभारत में (in Mahabharata)। **एका कथा**= एक कहानी (a story)। **एकदा**= एक बार (once)। **इन्द्रः**= एक देवता का नाम (name of a god)। **पापेन**= पाप के द्वारा (by the sin)। **किम्**= क्या (what)। **यूयम्**= तुम सभी (you all)। **श्रीजगदीशचन्द्रबसुनामकः**= श्री जगदीशचन्द्रबसु नाम के (named Shri Jagdeesh Chandra Basu)। **विख्यातः**= प्रसिद्ध (famous)। **वैज्ञानिकः**= वैज्ञानिक (scientist)। **जीवसत्ता**= जीवन का अस्तित्व (existence of life)। **अवर्णयत्**= वर्णन किया (described)। **मत्स्यपुराणे**= मत्स्यपुराण में (in Matsyapurana)। **लिखितम्**= लिखा है (written)। **दश**= दस (ten)। **कूप**= कुँआ (well)। **वापी**= जलाशय (pond)। **ह्रदः**= गहरा तालाब (deep and big pond)। **पुत्रः**= पुत्र (son)। **द्रुमः**= वृक्ष (tree)। **निर्माणेन**= निर्माण के द्वारा (by the construction)। **पुण्यम्**= पुण्य (virtue)। **उत्पादनेन**= पैदा करने के द्वारा (by giving birth)। **महत्त्वम्**= महत्त्व (importance)। **वृक्षस्य**= वृक्ष का (of trees)। **आरोपणेन**= (वृक्ष) लगाने से (by planting)। **एकैकम्**= एक-एक (at least one)। **संरक्षणम्**= रक्षा (conservation)।

Scanned by CamScanner

अनुवाद

वत्साः! - - - उपादेयता।

हे बच्चों! वृक्ष केवल सुन्दरता के लिए नहीं है, बल्कि वृक्षों से वहाँ की मिट्टी भी सुरक्षित होती है। वृक्षों के अभाव में मरुभूमि का प्रसार सम्भव होता है। इसलिए वृक्षों की रक्षा आवश्यक है। जल की वर्षा में, वातावरण शुद्ध करने में, फल देने में, छाया देने में और हमारे पोषण में वृक्षों का बहुत योगदान है।

केचिद् - - - - अभवत्।

कुछ अज्ञानता से, कुछ स्वार्थपूर्ति के लिए उसे काटते हैं। वे नहीं जानते हैं कि पेड़ काटना जीव हत्या होती है। महाभारत में एक कथा है। एक बार इन्द्र ने एक

Scanned by CamScanner

पेड़ काट दिया। जिससे वह जीव हत्या के पाप से युक्त हो गए।

किं — — — मत्स्यपुराणे लिखितमस्ति -
क्या तुम नहीं जानते हो, श्री जगदीश चन्द्रवसु नाम के प्रसिद्ध वैज्ञानिक, 'वृक्ष में भी जीवन का अस्तित्व है,' ऐसा कहते थे। मत्स्य पुराण में लिखित है -

---

दशकूपसमा — — — द्रुमः।
दस कुओं के ~~निर्माण~~ से ~~जितना~~ समान जलाशय, दस जलाशयों के समान गहरा तालाब, दस गहरे तालाबों के समान पुत्र तथा दस पुत्रों के समान वृक्ष होता है।

दशकूपानां — — — भवति।
दस कुओं के निर्माण से जितना पुण्य ~~मिलता~~ मिलता है उतना एक जलाशय के निर्माण से, दस जलाशयों के निर्माण के समान एक गहरे तालाब का निर्माण होता है, दस गहरे तालाबों के निर्माण से जितना पुण्य मिलता है उतना एक पुत्र पैदा करने से, और दस पुत्रों के पैदा करने से जितना महत्त्व होता है उतना एक वृक्ष लगाने से होता है।

Scanned by CamScanner

अतः - - - - करिष्यथ।
इसलिए तुम सब भी अपने घर एक-एक वृक्ष लगाओगे और उसकी रक्षा करोगे।

6. एक पद में उत्तर लिखिए -

क) वृक्षाः केवलं किमर्थं न सन्ति?
उ० सौन्दर्याय।

ख) वृक्षाणाम् अभावे कस्य प्रसारः सम्भवति?
उ० मरुभूमिप्रसारः।

ग) केचित् स्वार्थपूर्तये किं कुर्वान्ति?
उ० तान् छिन्दन्ति।

घ) एकदा इन्द्रः कम् अच्छिनत्?
उ० वृक्षम्।

ङ) इन्द्रः कस्य पापेन युक्तः अभवत्?
उ० जीववधस्य।

Scanned by CamScanner